بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ

لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ

دفتر مجلس انصاراللہ بھارت

Office Of The Majlis Ansarullah Bharat

Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob.9682536974,E-Mail: ansarullah@qadian.in Khulasa Khutba-05.01.2024 محلہ احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع: گورداسپور (پنجاب)

वक़्फ़े जदीद के छियासठवें (66)साल में जमाअत के लोगों की ओर से पेश की जाने वाली धन की क़ुर्बानियों का वर्णन तथा सतासठवें (67)वर्ष के आरम्भ होने की घोषणा।

फ़लिस्तीन के पीड़ितों के लिए दुआ की पुनः तहरीक।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 05 जनवरी 2024, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

امّا بعد فاعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعَالَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَاِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَلَا الضَّآلِّیۡنَ۔

یٰۤاَیُّہَا الَّذِیۡنَ اٰمَنُوۡا ہَلۡ اَدُلُّکُمۡ عَلٰی تِجَارَۃٍ تُنۡجِیۡکُمۡ مِّنۡ عَذَابٍ اَلِیۡمٍ ○ تُؤۡمِنُوۡنَ بِاللّٰہِ وَرَسُوۡلِہٖ وَتُجَاہِدُوۡنَ فِیۡ سَبِیۡلِ اللّٰہِ بِاَمۡوَالِکُمۡ وَاَنۡفُسِکُمۡ ؕ ذٰلِکُمۡ خَیۡرٌ لَّکُمۡ اِنۡ کُنۡتُمۡ تَعۡلَمُوۡنَ ○ یَغۡفِرۡ لَکُمۡ ذُنُوۡبَکُمۡ وَیُدۡخِلۡکُمۡ جَنّٰتٍ تَجۡرِیۡ مِنۡ تَحۡتِہَا الۡاَنۡہٰرُ وَمَسٰکِنَ طَیِّبَۃً فِیۡ جَنّٰتِ عَدۡنٍ ؕ ذٰلِکَ الۡفَوۡزُ الۡعَظِیۡمُ ○

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः आर सूरः सफ को 11 स 13 तक आयतां की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया- इन आयतों का अनुवाद है कि ह लोगो! क्या तुम्हें एक ऐसा व्यापार न बताऊँ जो तुम्हें एक कष्टदायक यातना से मुक्ति दे। तुम जो अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाते हो तथा उसके रास्ते में अपने माल एवं अपनो जानों के साथ जिहाद करते हो, यह तुम्हारे लिए अधिक अच्छा है यदि तुम ज्ञान रखते हो। वह तुम्हारे पाप क्षमा कर देगा तथा तुम्हें ऐसी जन्नतों में दाख़िल करेगा जिन के दामन मं नहरें बहती हैं और ऐसे पवित्र घरों में, जो सदैव रहने वाली जन्नतों में हैं। यह अत्यंत महान सफलता है।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने एक स्थान पर फ़रमाया कि मैं भी मसीहे मूसवी के पद्चिन्ह पर भेजा गया हूँ तथा जैसा कि हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने दया एवं क्षमा की शिक्षा दी थी, मैं भी रहम एवं क्षमा शीलता तथा सन्धि एवं सहानभूति की इस्लामी शिक्षा के साथ मसीहे मुहम्मदी के रूप में भेजा गया हूँ। यह ज़माना अब क़ुर्आन करीम की शिक्षाओं को प्रकाशित करने का ज़माना है, तलवार के जिहाद का अब ज़माना नहीं है परन्तु इस्लाम की शिक्षाओं को फैलाने के लिए क़लम का जिहाद एवं तबलीग़ का जिहाद जारी है तथा इस जिहाद को जारी रखने के लिए भी जान, माल एवं प्रतिष्ठा को

बलिदान करने की उसी प्रकार आवश्यकता है जिस प्रकार इस्लाम के आरम्भ में क़ुर्बानियों की आवश्यकता थी।

यह ज़माना जिसमें आर्थिक प्रतिस्पर्धा है तथा इसके लिए अत्यंत प्रयत्न हो रहे हैं दीन को ये लोग भूल बैठे हैं तथा संसार में अधिक रूचि है। व्यापारों में एक दूसरे से आगे बढ़ना तथा सुख सुविधाओं की प्राप्ति के लिए दुनिया अपना ध्यान चरम सीमा तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में दीन के प्रचार प्रसार के लिए बलिदान देना अल्लाह तआला की निकटता पाने का अति उत्तम साधन तथा सफल व्यापार है। यही अल्लाह तआला ने इन आयतों में वर्णन फ़रमाया है।

अतएव यह ज़माना जो मसीह मौऊद का ज़माना है, इस ज़माने में विशेष रूप से धन से संघर्ष करने का एक महत्त्व पूर्ण काम है। अल्लाह तआला ने क़ुर्आन करीम में धन की क़ुर्बानी की ओर अनेक स्थानों पर ध्यान दिलाया है। फ़रमाया- तुम्हें क्या हो गया है कि तुम अल्लाह की राह में ख़र्च नहीं करते। इसी तरह फ़रमाया कि अल्लाह की राह में ख़र्च करो तथा अपने हाथों से अपने आपको नष्ट न करा। अल्लाह तआला किसी का उधार नहीं रखता, उसने ऐसे व्यापार की सूचना दी है जो दुनिया एवं आख़िरत की सफ़लता पर पहुंचती है। नक धारणा से इस राह में की गई क़ुर्बानी को ख़ुदा तआला कई गुणा बढ़ाता है, यही उसने क़ुर्आन करीम में भी फ़रमाया है।

आज अल्लाह तआला की कृपा से अहमदी ही हैं जो दीन के लिए धन के बलिदान के महत्त्व को समझते हैं। जमाअत की प्रगति इस बात की गवाह है कि निर्धन लोगों के धन के बलिदान को अल्लाह तआला कितना अधिक फल देता है। ऐसे उदाहरण मैं प्रायः बयान करता रहता हूँ, आज भी बयान करूँगा। ये उदाहरण समृद्ध अहमदियों को इस तरफ़ ध्यान दिलाने वाल होन चाहिएँ, वे देखें कि उनके स्तर क्या हैं।

आँहुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि आग से बचो, चाहे आधी खजूर देकर ही। इसी तरह फ़रमाया कि कंजूसी से बचो, यह कंजूसी ही है जिसने पहली क़ौमों का विनाश किया था। हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सहाबियों का तो यह हाल था कि जब कोई धन के बलिदान की प्रेरणा होती तो मज़दूरी करने निकल खड़े होते और जो कुछ कमाई होती वह अल्लाह की राह में पेश कर देते। ऐसे निष्ठावान अल्लाह तआला ने आँहुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सच्चे ग़ुलाम हज़रत मसीह मौऊद अलै. को भी प्रदान किए हैं। अहमदियत का इतिहास ऐसी अनेक घटनाओं से भरा पड़ा है। अल्लाह तआला ने उन क़ुर्बानी करने वालों की निष्ठा को व्यर्थ नहीं जाने दिया। अतः इन सहाबा रज़ी. तथा क़ुर्बानी करने वालों की संतानों को भी याद रखना चाहिए कि अल्लाह तआला ने इन्हें जो कुछ भी अता फ़रमाया है यह उन पूर्वजों के बलिदानों का फल है। अल्लाह तआला की कृपा से आज जमाअत क अधिकांश लोग क़ुर्बानी करने वाले हैं। अफ़रीक़ा में भी ऐसे उदाहरण हैं तथा पाकिस्तान में भी, हिन्दुस्तान से भी ऐसे उदाहरण सामने आते रहते हैं।

सय्यदना हुज़ूरे अनवर ने रिपब्लिक ऑफ़ सैन्ट्रल अफ़रीक़ा, क़ज़ाकिस्तान, क़रग़िस्तान, फ़िल्पाईन, कैमरून, तंज़ानिया, टोगो, इन्डोनेशिया, आस्ट्रेलिया सहित विश्व के विभिन्न देशों के श्रद्धालुओं के चन्दा वक़्फ़े जदीद से सम्बधित ईमान को बढ़ाने वाली घटनाएँ बयान फ़रमाईं तथा इस श्रंखला में आगे फ़रमाया-

सावंत वाड़ी इन्डिया के एक अहमदी हैं सिराज साहब, उन्होंने कहा कि मैंने धन की क़ुर्बानी की बरकतों को अपनी आँखों से देखा है। वक़्फ़े जदीद के चन्दे देने शेष रह गए थे, कोविड की महामारी के कारण। दो तीन साल से इन श्रीमान जी को लकड़ियाँ बारिश के पानी से नष्ट हो रही थीं। ये ख़रीदने वाला ढूंडते रहे, कोई नहीं मिल रहा था। श्रीमान जी कहते हैं कि जब इंस्पैक्टर वक़्फ़े जदीद आए तथा चन्दे का मुतालबा किया तो इन्होंने दो हज़ार रुपए तुरन्त निकला कर अदा कर दिए। कहते हैं- दो दिन के अन्दर अन्दर जो ख़रीदार मूल्य निश्चित होने के बावजूद सामान नहीं ले रहा था, अचानक आकर बीस हज़ार रुपए देकर पूरा माल ले गया और ये कहते हैं कि मेरा तो यही ईमान है कि चन्दे की बरकत से अल्लाह तआला न दो हज़ार को बढ़ा कर बीस हज़ार मुझे वापस लौटा दिए, अन्यथा जो सामान वर्षों से नष्ट हो रहा था वह आगे भी नष्ट हो सकता था।

हुज़ूरे अनवर ने पूरे विश्व से माल की क़ुर्बानी के ईमान वर्धक वृत्तांत बयान करने के बाद फ़रमाया कि कैसे कैसे सुन्दर श्रद्धावान अल्लाह तआला ने दुनिया के कोने कोने में हज़रत मसीह मौऊद अलै. को दिए हैं। यह एक लम्बी सूचि है, मेरे लिए कठिन था कि किसका वर्णन करूँ तथा किसका छोड़ूँ। जिनके वृत्तांत मैं बयान नहीं कर सका उनकी श्रद्धा एवं निष्ठा में कोई कमी नहीं है। इन लोगों ने अल्लाह तआला की ख़ुशी के लिए ये क़ुर्बानियाँ की हैं। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं- मैं इस लिए सतर्क खड़ा हूँ कि आप लोग अपने पवित्र धन के द्वारा दीन के अभियानों में मेरी सहायता करें तथा हर एक व्यक्ति जहाँ तक ख़ुदा तआला ने उसको सामर्थ्य एवं शक्ति दी है, इस राह में कोताही न करे, और अल्लाह तआला तथा उसके रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से अपने धन को अधिक महत्त्व पूर्ण न समझे और मैं फिर जहाँ तक मेरे वश में है अपने लेखों के द्वारा इन शिक्षाआं तथा बरकतों को ऐशिया एवं यूरोप के देशों में फैलाऊँ जो ख़ुदा तआला की पवित्र आत्मा ने मुझे दी हैं।

हुज़ूरे अनवर ने इसके बाद वक़्फ़े जदीद के छियासठवें साल की जानकारी तथा सतासठवें साल के आरम्भ होने की घोषणा करते हुए फ़रमाया कि अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से जमाअते अहमदिया आलमगीर ने इस वर्ष में एक करोड़ उनत्तीस लाख इकतालीस हज़ार पाउंड राशि की क़ुर्बानी वक़्फ़े जदीद में पेश की, यह वसूली गत वर्ष की तुलना में सात लाख अट्ठारह हज़ार पाउंड अधिक है।

बर्तानिया का इस साल सामूहिक वसूली की दृष्टि से पहला स्थान है, फिर कनेडा है, कैनेडा ने भी अच्छो बढ़ौतरी की तथा इन्होंने शामिल होने वालों में अधिक उन्नति की है, यह इनका इस साल अत्यधिक प्रशंसा योग्य प्रयास है, फिर जर्मनी है नम्बर तीन, फिर नम्बर चार अमरीका, पाकिस्तान, भारत,

आस्ट्रेलिया, मिडिल ईस्ट की एक जमाअत, इन्डोनेशिया, मिडिल ईस्ट की फिर एक जमाअत है तथा बैल्जियम है।

अफ़रीक़ा की जमाअतों में नम्बर एक पर मारेशिस, फिर घाना है, बर्कीना फ़ासो है। बर्कीना फ़ासों दश की यद्यपि स्थिति भी ख़राब है परन्तु बावजूद इसके तीसरा स्थान है अफ़रीक़ा में। तंज़ानिया है, नाईजेरिया है, लाईबेरिया, फिर गैम्बिया, माली, योगेंडा तथा सीरालियान।

शामिल होने वालों की संख्या पन्द्रह लाख पचास हज़ार है। अल्लाह की फ़ज़्ल से इस साल चवालीस हज़ार नए श्रद्धावान शामिल हुए हैं। शमिल होने वालों की सूचि में कैनेडा नम्बर एक पर है, फिर तंज़ानिया, फिर कैमरोन, फिर गैम्बिया, नाईजेरिया, गिनी बसाव तथा कांगो कंशासा।

भारत के दस प्रदेश जो हैं, नम्बर एक पर केरला, फिर तमिलनाडु, जम्मु कशमीर, तिलंगाना, कर्नाटक, उडीशा, पंजाब, वैस्ट बंगाल, देहली तथा महाराष्ट्र।

और दस जमाअते जो हैं, वसूली की दृष्टि से इनमें हैद्राबाद नम्बर एक, कोएम्बटूर, क़ादियान, कालीकट, मंजेरी, बैंगलौर, मेला पालियम, कलकत्ता, करुलाई तथा केरंग।

अल्लाह तआला इन सबके जान व माल में अत्यंत बरकतें अता फ़रमाए।

ख़ुत्बः के अन्त में हुज़ूर अनवर ने फ़रमाया- फ़लिस्तीन के लिए तो मैं दुआ की तहरीक करता ही रहता हूँ, अब भी उनको याद रखें। पहले भी मैंने कहा था कि अपने अपने दोस्तों में उनके अधिकारों के लिए आवाज़ उठाते भी रहें। लोगों को बताते भी रहें, विशेष रूप से राजनैतिज्ञों को। इसराईल की सरकार तो अपने अत्याचारों से बाज़ आने वाली नहीं लगती बल्कि अब तो यह उन्होंने सैनिकों को सन्देश दिया है कि 2024 का साल भी युद्ध का साल है। अल्लाह तआला फ़लिस्तीनियों पर रहम फ़रमाए। इससे अब यह भी कहा जाने लग गया है कि रीजन में भी युद्ध फैलने की आशंका है तथा फिर विश्व युद्ध भी हो सकता है। बैरूत के आस पास भी उन्होंने बम्बारी शुरु कर दी है, बढ़ते ही चले जा रहे हैं अब ये, यद्यपि प्रत्यक्षतः अमरीका की सरकार उनको यही कह रही है कि अपने युद्ध को कम करो, परन्तु ये केवल शब्द ही लगते हैं, दबी हुई आवाज़ें हैं इनकी। असल योजना तो उनकी यही लगती है कि ग़ाज़ा से फ़लिस्तीनियों को बाहर निकाल दिया जाए तथा इस धरती पर क़ब्ज़ा कर ले। अल्लाह तआला फ़लिस्तीनियों पर रहम फ़रमाए तथा मुसलमानों पर भी दया करे, इनको भी बुद्धि एवं विवेक दे और इस तरफ़ भी ये ध्यान दें कि ज़माने के इमाम की आवाज़ को सुनें और मानें।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ. عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131